7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 बिजली नहीं चालू... 5 सेंट्रल मार्केटः व्यापारियों को नोटिस जारी 8 नीलामी में करोड़ों में बिके

UPHIN/2023/90814 | वर्षः 03, अंकः 44 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 27 अप्रैल, 2026

'बंगाल का गौरव लौटाने के लिए तृणमूल से आजादी जरूरी'

दमदम की रैली में टीएमसी पर जमकर बरसे पीएम मोदी

कोलकाता,संवाददाता। बंगाल में रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले चरण के मतदान ने बंगाल में भाजपा की विजय का शंखनाद कर दिया है। उन्होंने टीएमसी को नारी विरोधी पार्टी करार दिया और टीएमसी पर भ्रष्टाचार, सिंडिकेट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। पश्चिम बंगाल के दमदम में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा बंगाल में परिवर्तन की जो लहर दिख रही थी, कल पहले चरण के मतदान ने उस पर मुहर लगा दी है। पीएम मोदी ने कहा कि कल भाजपा के पक्ष में जो समर्थन दिखा है, उसने भाजपा की विजय का शंखनाद कर दिया है।

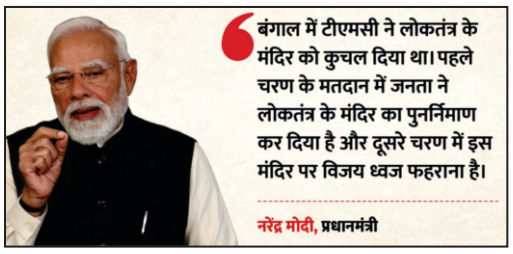

> बंगाल में टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण के मतदान में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निमाण कर दिया है और दूसरे चरण में इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है।
>
> नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

तृणमूल के भय, भ्रष्टाचार से आजादी जरूरी

प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल का गौरव फिर से लौटाने के लिए, बंगाल को फिर से अवसरों की भूमि बनाने के लिए तृणमूल कांग्रेस के भय, भ्रष्टाचार, सिंडिकेट, पलायन, बेरोजगारी और बेकारी और घुसपैठियों, बेटियों पर अत्याचार से आजादी बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर तगड़ा हमला करते हुए कहा बंगाल में टीएमसी ने लोकतंत्र के मंदिर को कुचल दिया था। पहले चरण के मतदान में जनता ने लोकतंत्र के मंदिर का पुनर्निमाण कर दिया है और दूसरे चरण में इस मंदिर पर विजय ध्वज फहराना है। पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी का दीया बुझने से पहले फड़फड़ा रहा है। 4 मई को नतीजे आने के बाद टीएमसी के गुंडों को बंगाल में छुपने की जगह नहीं मिलेगी।

पीएम मोदी बोले– ये क्रांति की बेला है और वोट से ही क्रांति होगी

प्रधानमंत्री ने कहा, गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने राष्ट्र का आह्वान किया था– तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा। ये बंगाल में नई क्रांति की बेला है और ये क्रांति वोट से होगी। मैं बंगाल की जनता से अपील करता हूं कि आप हमें वोट रूपी आशीर्वाद दीजिए, हम मिलकर बंगाल को अनेक कष्टों से आजादी दिलाएंगे। टीएमसी नारी विरोधी पार्टी है।

'नक़ली शेर के साथ मुस्कान, असली देखें तो हो जाएं धड़ाम'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गोरखपुर दौर पर थे, जहां उन्होंने एक शेर के पुतले के साथ तस्वीर खिंचवाई, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. सीएम योगी की इस तस्वीर पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने ही अंदाज में तंज कसा है. उन्होंने कहा, 'नकली शेर के साथ मुस्कान असली देखें तो हो जाएं धड़ाम. लगता है कोरोना काल का शेर है, तभी 'बाल–अयाल' इतने लंबे हैं. शेर बनाना ही था तो क़ायदे का बनाते और इसके लिए सपाकाल में बनी इटावा की लायन सफ़ारी ही देख आते'।

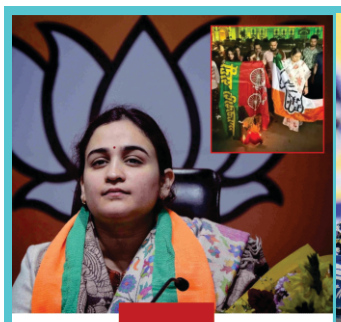

"परिवार की हूं लेकिन..." सपा का झंडा जलाने पर बोलीं अपर्णा

झुलसा रही गर्मी!

देश के 24 शहरों में तापमान 43 डिग्री के पार पहुंचा

ट्रंप के ऐलान से हिज्बुल्लाह में डर

'इजरायल- लेबनान के बीच बढ़ा सीजफायर, 3 हफ्ते थमी रहेगी जंग'

'मैं गर्व महसूस कर रहा हूं'

बंगाल में पड़े 92% वोट पर सुनवाई के दौरान बोले CJI सूर्यकांत

> हमने आरजी कार कांड की पीड़िता की माता जी और संदेशखाली की पीड़िता को प्रत्याशी बनाया जो बंगाल में TMC के गुंडों की विक्टिम थी, अब वो विधानसभा में बैठकर इन गुंडों के ख़िलाफ़ कठोर प्रशासन के नियम बनाने का काम करेंगी
>
> अमित शाह
> गृह मंत्री

मुख्यमंत्री योगी की फोटो लेने के लिए सांसद रवि किशन ने थामा मोबाइल

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 1055 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने ईको पार्क का भ्रमण किया। सांसद रवि किशन ने बेकार वस्तुओं से बने शेर के सामने उनकी फोटो खींची। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में 1055 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया।

इस दौरान सीएम योगी का एक वीडियो चर्चा में है, जिसमें वह ईको पार्क का भ्रमण कर रहे हैं और सांसद रवि किशन वेस्ट (बेकार की वस्तुओं) से बने एक शेर की कलाकृति के सामने अपने फोन से उनका फोटो लेते दिख रहे हैं। वह एक अच्छे पोज के लिए सीएम योगी से आगे आने का भी आग्रह करते हुए नजर आ रहे हैं।

वैदिक मंत्र उपचार के बीच फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ईको पार्क का भ्रमण किया। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने उन्हें पार्क में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

पंजाब में सियासी भूचाल

सात राज्यसभा सांसदों के पाला बदलने से बदले समीकरण, भाजपा को लाभ, 'आप' का बिगाड़ा गणित

चंडीगढ़,एजेंसी। आम आदमी पार्टी में बगावत से पंजाब की सियासत में भूचाल आ गया है। सात राज्यसभा सांसदों के पाला बदलने से समीकरण बदल गए हैं। विधानसभा चुनाव से पहले आप के सामने बड़ी चुनौती है। भाजपा नए चेहरों पर दांव खेलेगी। आप सहानुभूति कार्ड से नुकसान संभालने की तैयारी में है।

आम आदमी पार्टी में बगावत के बाद पंजाब की राजनीति में बड़ा उलटफेर हो गया है। विधानसभा चुनाव से करीब नौ महीने पहले हुए इस घटनाक्रम ने सियासी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। आप के सात राज्यसभा सांसदों ने पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। इनमें से छह सांसद पंजाब कोटे से हैं जबकि एक दिल्ली से जुड़ी हैं। इस घटनाक्रम से भाजपा को जहां राजनीतिक फायदा मिलने की उम्मीद है वहीं आप के सामने संगठन को संभालने की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है।

बगावत करने वालों में राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत सिंह साहनी और राजेंद्र गुप्ता पंजाब से राज्यसभा सदस्य हैं जबकि स्वाति मालीवाल दिल्ली से ताल्लुक रखती हैं। वर्तमान में पंजाब में आप की सरकार है। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने रिकॉर्ड 92 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की थी जो उपचुनावों के बाद बढ़कर 95 हो चुकी हैं। पार्टी 2027 के चुनाव की तैयारी में जुटी थी लेकिन इस सियासी भूचाल ने उसका गणित बिगाड़ दिया है। मुख्यमंत्री भगवंत मान का कहना है कि इन सांसदों के जाने से पार्टी पर कोई असर नहीं पड़ेगा क्योंकि वे निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं हैं। इसके बावजूद यह साफ है कि आगामी चुनाव में यही नेता विरोधी खेमे में सक्रिय रहकर आप के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

भाजपाः बगावत को भुनाने की तैयारी

पंजाब में आप के खिलाफ बने इस नए राजनीतिक माहौल को भाजपा अवसर के रूप में देख रही है। वर्ष 2022 में भाजपा ने अकेले चुनाव लड़ते हुए 117 में से केवल 2 सीटें जीती थीं और उसका वोट प्रतिशत 6.6 फीसदी रहा था। ऐसे में पार्टी के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। अब आप से आए छह प्रभावशाली नेताओं के सहारे भाजपा अपने जनाधार को मजबूत करने की कोशिश करेगी।

इन नेताओं की पंजाबी और बनिया वर्ग में अच्छी पकड़ मानी जाती है। भाजपा की रणनीति होगी कि इन चेहरों के प्रभाव को वोटों में बदला जाए। बगावत के बाद ये नेता आप की नीतियों और नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए पहले ही हमलावर रुख अपना चुके हैं।

आपः सहानुभूति कार्ड से नुकसान की भरपाई

आप नेतृत्व को इस तरह की स्थिति का अंदेशा पहले से था। यही कारण रहा कि शुक्रवार सुबह से ही पार्टी नेताओं ने भाजपा और केंद्रीय नेतृत्व के खिलाफ बयानबाजी तेज कर दी थी। दोपहर तक घटनाक्रम साफ हो गया। अब मुख्यमंत्री भगवंत मान इस बगावत को भाजपा के खिलाफ बड़ा मुद्दा बनाकर जनता के बीच ले जाने की तैयारी में हैं। मान का कहना है कि पंजाबियों का प्यार पार्टी के साथ है और इस घटनाक्रम के बाद समर्थन और बढ़ेगा।

'अगर कोई डील नहीं हुई तो तेहरान को तबाह कर देंगे'

ईरान के साथ दूसरे दौर की बातचीत की संभावनाओं के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अजीबोगरीब बयान दिया है. ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि ईरान के नेता आपस में ही कुत्ते–बिल्लियों की तरह लड़ रहे हैं कि देश को कंट्रोल कौन करेगा. उन्होंने कहा कि हमने ईरान के लिए सच में बहुत गड़बड़ कर दी है. डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि अगर कोई डील नहीं हुई तो तेहरान को तबाह कर देंगे. उन्होंने कहा कि मैं युद्ध खत्म करने के लिए कोई जल्दबाजी में नहीं हूं और ये डील मेरे हिसाब से ही होगी।

सम्पादकीय

शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर

यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने के बाद यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का भी रिजल्ट आ गया। कुछ अन्य बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी आ चुके हैं। जो परिणाम अभी तक आए हैं, उनमें प्रतिभाशाली छात्रों की बड़ी संख्या दिख रही है। वे बधाई और प्रशंसा के पात्र बनने के साथ अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रहे हैं। यह स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि क्या देश में वैसी प्रतिभाओं का विकास हो रहा है, जैसी आज के युग में आवश्यक हैं और जो देश के वैज्ञानिक एवं तकनीकी उत्थान में सहायक बन सकें?

हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वैसी गुणवत्तापरक शिक्षा नहीं दी जा पा रही है, जैसी समय की मांग है। एक समस्या यह भी है कि बड़ी संख्या में छात्र विदेश पढ़ने के लिए जाते हैं। उच्च शिक्षा के लिए पश्चिमी देशों के साथ विकासशील देशों में भी पढ़ने जाने का चलन बढ़ा है। आखिर ऐसा क्यों है, इस पर न केवल गहनता से विचार होना चाहिए, बल्कि उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते ऐसा हो रहा है। इसी के साथ यह भी देखना होगा कि शिक्षा संस्थानों में शोध एवं विकास की गुणवत्ता कैसे बढ़े। भारत शोध पत्रों की संख्या के मामले में तो तीसरे स्थान पर है, लेकिन उनकी गुणवत्ता के पैमाने पर कहीं पीछे है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारत अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत भी शोध पर खर्च नहीं करता, जबकि कई विकासशील देश 4–5 प्रतिशत तक करते हैं। शिक्षा संस्थानों में उन्नत प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण का अभाव भी गुणवत्तापूर्ण शोध में बाधक बन रहा है।

यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है। इसका एक उदाहरण निजी स्कूलों की मनमानी का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से संज्ञान लिया जाना है। आयोग ने यह पाया कि प्राइवेट स्कूल छात्रों और अभिभावकों पर इसके लिए दबाव बनाते हैं कि वे निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदें।

आयोग ने इसे लेकर सभी राज्यों को नोटिस जारी की है। कहना कठिन है कि इस कदम के कोई सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे या नहीं? जो भी हो, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी देखना चाहिए कि स्कूली स्तर पर कोचिंग संस्कृति जिस तरह फलती–फूलती जा रही है, वह कोई शुभ संकेत नहीं। पहले प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए शुरू हुई कोचिंग ने एक उद्योग का रूप लिया। अब स्कूली शिक्षा की कोचिंग भी एक उद्योग बन चुकी है। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं।

शहरों का एकत्रिकृत विकास

चादर मैली हो गई, तेरी राह तकते–तकते। हर बार चुनाव के कान में शहर क्रंदन करता है, मगर इन आंसुओं की जुबान कोई नहीं पढ़ता, नतीजतन इसकी क्षमता अब विकरालता में बदल गई। कम से कम बीस शहर गिनती में ऐसे हैं, जिन्हें भविष्य की तस्वीर में सहेजना होगा। शहर के अंदर को बाहर तक पहुंचे शहर से मिलाना होगा। इस संदर्भ में अतीत के शहर को अपनी इमारतों का कंसोलिडेशन करना होगा। धूमल सरकार ने प्रशासनिक शहरों में संयुक्त भवन परिसर और कहीं–कहीं मिनी सचिवालयों का शुभ मुहूर्त किया, तो दफ्तर एक छत के नीचे आए। इसी संदर्भ में खाली इमारतों में शिमला के दफ्तर जिला स्तर पर आ रहे हैं, तो यह कदम आगे चलकर याद किया जाएगा। पहले हिल स्टेशन के मार्फत अंग्रेजों ने शहर बसाए थे या आर्मी स्टेशनों के वजूद में आने से शहरी जीवन विकसित हुआ। इसके बाद हिमाचल निर्माण की अवधारणा में प्रशासनिक शहरों का विकास शुरू हुआ, तो भूमि की उपलब्धता पर इमारतें बेडौल होती गईं। आज स्थिति यह है कि शहर के केंद्र बिंदु तो कहीं बाहर सरक गए, लेकिन ऐतिहासिक निशानियां गुम होने लगी हैं। आश्चर्य यह कि सरकारी इमारतें ही बेतरतीब विकास का हिस्सा बन गईं। यहां भूमि की उपलब्धता को विकास की व्यस्तता से तोला गया, तो राजनीति की रणभूमि फरियादी हो गई। ऐसे में अब शहरों का चेहरा बदलने की जरूरत है। नादौन बस स्टैंड की आधुनिक जरूरतों के लिए जब आसपास के सरकारी परिसरों को जोड़ लिया जाता है, तो इससे एकत्रिकृत विकास की मुहिम शुरू होती है। कुछ यही प्रेरणा ज्वालामुखी बस स्टैंड के नवनिर्माण को लेकर भी बन रही है, लेकिन अब हर शहर को अपना परिचय बदलने की जरूरत है।

जरूरी यह नहीं कि हर शहर में मुकाम ढूंढा जाए, जरूरी यह है कि शहर में इंतजाम ढूंढा जाए। ऐसे में शहरी विकास योजनाओं के साथ दो या तीन शहरों के लिए एकत्रिकृत विकास के सेतु स्थापित किए जाएं। हमारे विधानसभाओं के क्षेत्रफल छोटे हैं अतः दो तीन मुख्यालयों के बीच विकास के कॉमन पूल बना कर किसी मध्य स्थल पर अदालती परिसर, सब्जी मंडियां, आवासीय बस्तियां, बस स्टैंड और स्थानीय ट्रांसपोर्ट नेटवर्क के नए मानचित्र पर गौर करना होगा। बड़े शहरों के बीच कर्मचारी शहर बसा कर भीड़ कम करनी होगी। मसलन शिमला–सोलन, पालमपुर–धर्मशाला, मंडी–बिलासपुर और ऊना–हमीरपुर के बीच कर्मचारी शहर बसाएं जाएं, तो शहरी आर्थिकी की वृद्धि के साथ–साथ, इन शहरों में कॉमन पूल के दफ्तर भी चल सकते हैं। प्रदेश के जेल एडमिनिस्ट्रेशन को भी अब पूरे राज्य में तीन बड़ी जेलों का विकास करना चाहिए। उदाहरण के लिए हमीरपुर, ऊना व कांगड़ा जिलों के लिए देहरा के आसपास बड़ी जेल विकसित करें, तो कैदियों का प्रबंधन उचित होने के साथ–साथ किफायत भी होगी। इसके अलावा बिलासपुर, मंडी, कुल्लू व लाहौल स्पीति तथा सोलन, शिमला, किन्नौर व सिरमौर के किसी मध्य स्थलों पर दो और बड़ी जेलें विकसित की जा सकती हैं। प्रदेश सरकार को केंद्र के कई विभागों की शहरों में उपस्थिति कम करके नए प्रस्ताव देने होंगे। पालमपुर के बीचोंबीच या धर्मशाला कैंट में अब सैन्य संपत्तियों का जमाव घटा कर इन्हें कहीं अन्यत्र स्थानांतरित करने की आवश्यकता है। इसी तरह धर्मशाला के बीचोंबीच पुलिस की संपत्तियां या बटालियन की मौजूदगी को कहीं अन्यत्र शिफ्ट करना पड़ेगा। ये तमाम कार्य राज्य के अपने एस्टेट विकास प्राधिकरण के मार्फत हो सकते हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य व पुलिस को छोडक़र बाकी तमाम विभागों के लिए कार्यालय व आवासीय व्यवस्था अगर एक एस्टेट विकास प्राधिकरण के तहत हो, तो विकास के मायने तथा शहरीकरण के अनुशासन भी बदलेंगे।

दूर के ढोल

वे महान् थे। वे किसी से न ईर्ष्या रखते थे न द्वेष। ईश्वर की तरह व्यवहार करते थे। मानवता उनमें कूट–कूट कर भरी हुई थी। किसी भी दुखियारे को देखते और करुणा से उनका मन पसीज उठता। महान् वे इसलिए भी थे, क्योंकि वे स्वयं को साहित्यकार भी मानते थे। करेला ऊपर से नीम चढ़ा, परन्तु वे कभी इस अहंकार को उजागर नहीं होने देते थे। बेशक उन्हें साहित्यकार होने का प्रखर घमंड था। घमण्ड के लिए उनके पास अन्य कुछ था भी नहीं। साहित्यकार होने की मुहर उन पर इसलिए भी अंकित थी कि उन्हें एक संस्थान ने पुरस्कार भी दिया था। उनकी साहित्य सेवा रेखांकन योग्य हो गई थी। रेलों पर सरपट लिखने के कारण एक बार रेल मंत्रालय ने भी उन्हें सांत्वना पुरस्कार दिया था। वे उस समय बहुत नाराज हुए थे। रेल मंत्रालय को उलटा उलाहना दिया कि रेलों पर लिखने वाले अकेले महान् साहित्यकार हैं तो उन्हें सांत्वना देकर क्यों टरका दिया? लेकिन रेल मंत्रालय ने उनको कोई जवाब न देकर अपनी गलती स्वीकार की। चूंकि वे किसी से ईर्ष्या तो रखते ही नहीं थे, इसलिए जिसने रेल मंत्रालय का पहला पुरस्कार जीता था, उसे बधाई का पत्र भी नहीं डाला। उल्टे प्रथम पुरस्कार वाले ने उन्हें बधाई पत्र भेजा तो उन्होंने इसे अन्यथा लिया और बुरी तरह नाराज होकर बधाई पत्र को फाड़ दिया।

मानवतावादी साहित्यकार होने से उन्होंने अपने लेखन में इनसानियत का शंखनाद खूब किया है। एक उपन्यास लिखा तो इतना अद्भुत कि प्रतिशोध की ज्वाला उसमें साफ झलकती दिखाई देती है, वे ईर्ष्या करते नहीं, लेकिन ईर्ष्यालु साहित्य विपुलता से रचते हैं। मेरे तो वे इतने अनन्य हैं कि गाहे–बगाहे मुझ पर लिख कर अपने भीतर की ईर्ष्या की आग को शांत करते रहते हैं। मैं उनके लिखे से सबसे ज्यादा डरता हूं। इसलिए उनसे ज्यादा बात भी नहीं करता, पता नहीं कब कोई बात निकल जाए और कौनसी बात उन्हें लग जाए। बस फिर वे मुझ पर व्यंग्य लिख मारते हैं और यह तो पता ही है कि व्यंग्य कितना पैना होता है और वह भी उनका लिखा हुआ। इतना पैना दंश कि मन की गहराई तक उतर जाता है और कई–कई दिन तक तबीयत खराब रहती है। मानवता की दुहाई देकर वे घडिय़ालों की तरह रोते हैं। लोग समझते हैं वे वाकई दुखी होकर रो रहे हैं। अपनी काया से भी वे लगभग घडिय़ाल जैसे ही लगते हैं। अपना मुंह खोलकर मुंह उठाकर जब वे अपने अहंकार को थोड़ी देर के लिए घर पर रखकर मेरे घर आते हैं तो मुझे खड़ा होकर विनम्रता से उनका स्वागत करना पड़ता है। उनका साहित्य दर्प और अधिक ऊंचाई ले जाता है। जाते समय वे जिस मुस्कान को मुझे देकर जाते हैं, वह बहुत मोहकता में लिपटी बहुत असह्य होती है। उन्होंने कई बार मेरे लेखन को सराहा है और मुझे साहित्य में अभयदान दिया है। अक्सर कहते रहते हैं– 'शर्मा, अच्छा लिख रहे हो। लिखते रहो, तुम्हें पुरस्कार दिलवाएंगे। लेकिन थोड़ा हमसे लगाकर खाओ। सब ठीक हो जाएगा।'

होर्मुज स्ट्रेट के खुलने से खाड़ी में शांति के संकेत अमेरिका–ईरान में समझौते पर बन रही बात

ईरान द्वारा होर्मुज स्ट्रेट को सभी कमर्शल जहाजों के लिए खोलने से वैश्विक व्यापार को बड़ी राहत मिली है। इससे अमेरिका–ईरान तनाव कम होने और समझौते की उम्मीद बढ़ी है। इजरायल–लेबनान युद्धविराम और ऑयल शिपमेंट की आवाजाही से माहौल सकारात्मक हुआ है। हालांकि युद्ध के नुकसान से तेल उत्पादन सामान्य होने में अभी समय लगेगा। ईरान का होर्मुज स्ट्रेट को सभी कमर्शल जहाजों के लिए पूरी तरह खोल देना वैश्विक व्यापार के लिए राहत की बहुत बड़ी खबर है। इससे इस संकरे समुद्री मार्ग को लेकर पिछले डेढ़ महीने से जारी तनाव कम होगा। इस बीच अमेरिका की तरफ से भी लगातार संकेत आ रहे हैं कि समझौता हो सकता है।

बड़ी बाधा दूरः अमेरिका और ईरान के बीच गतिरोध की जितनी बड़ी वजह तेहरान का परमाणु कार्यक्रम है, उतनी ही बड़ी वजह होर्मुज भी बन चुका है। दोनों के बीच पहले दौर की वार्ता असफल होने के पीछे एक बड़ी वजह होर्मुज भी था। इसके अलावा लेबनान पर जारी इस्राइली हमलों के कारण बातचीत बेहद अविश्वास भरे माहौल में हुई थी। अब इस्राइल और लेबनान 10 दिनों के युद्ध विराम पर सहमत हो गए हैं, तो ईरान ने भी होर्मुज को खोल दिया। सही होगा माहौलः यह खबर भी सकारात्मक है कि सोमवार से जारी अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी के बीच शुक्रवार को पहली बार ईरान के एक ऑयल शिपमेंट ने खाड़ी को पार किया। ये सारे डिवेलपमेंट समझौते की दिशा में अहम कदम हैं। इससे बातचीत के लिए सही माहौल तैयार करने में मदद मिलेगी। हालांकि यह जरूरी है कि अब किसी पक्ष को माहौल खराब करने की छूट न दी जाए। हिजबुल्लाह जैसे तत्वों से भी सावधान रहना होगा, जो संघर्ष बढ़ाने की कोशिश कर सकते हैं। ट्रंप के दावेः अमेरिका और ईरान के बीच इस समय दूसरे दौर की वार्ता के लिए पृष्ठभूमि तैयार हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक दिन पहले दो बड़े दावे किए। पहला, ईरान युद्ध बहुत जल्द खत्म होने वाला है और दोनों देश शांति समझौते के करीब हैं। उनका दूसरा दावा ज्यादा दिलचस्प है कि ईरान परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाला समृद्ध यूरेनियम सौंपने पर सहमत हो गया है। युद्ध छेड़ने के बाद से ट्रंप ने संघर्ष और शांति को लेकर इतने अलग–अलग दावे किए हैं कि उनमें से किसी एक पर यकीन कर पाना मुश्किल है।

प्राध्यापकों की बर्खास्तगी एक सबक

दूसरे शब्दों में शिक्षक विद्यार्थी के लिए माता–पिता तुल्य होता है, ऐसे में विद्यार्थी के लिए गंदी दृष्टि मानसिकता रखना तो निश्चित रूप से अपराध है। समाज तथा भविष्य निर्माता शिक्षक को गुरु–शिष्य सम्बन्धों पर गम्भीरता से विचार करना होगा ताकि यह पवित्र सम्बन्ध निःकलंकित रहे तथा समाज व शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक की गरिमा सत्यता और विश्वसनीय बनी रहे। निश्चित रूप से प्राध्यापकों की शिक्षा विभाग सरकार से बर्खास्तगी बहुत दुखद है। इस कृत्य तथा निर्णय से बर्खास्त शिक्षकों के व्यक्तिगत, पारिवारिक तथा सामाजिक छवि को नुक्सान के साथ–साथ उनकी आर्थिकी पर भी चोट पड़ेगी परंतु 'अब पछताये होता क्या जब चिडिय़ां चुग गई खेत।' सरकार ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए शिक्षकों को कड़ा संदेश दिया है सामाजिक, शैक्षिक और चारित्रिक दृष्टि से विषय बहुत ही गम्भीर एवं संवेदनशील है। अमृत और विष के लिए मंथन तो करना ही पड़ता है। यही मंथन विचार और चिंतन है। दुर्भाग्यवश पढ़े–लिखों की दुनिया में भी आत्म मंथन, आत्म अवलोकन और आत्म चिंतन का अभाव पाया जा रहा है। निंदनीय प्रकरण जब शिक्षा और शिक्षकों से जुड़े हों तो सिर शर्म से झुक जाता है। सत्य क्या है यह तो आरोपी, पीड़ित या फिर जांच अधिकारी या ईश्वर जाने, लेकिन धुआं कहीं से उठा है तो चिंगारी भी कहीं से लगी होगी। ऐसी घटनाएं शिक्षा व्यवस्था पर कलंक अवश्य हैं। जिस खेत की बाड़ ही फसल को खाना शुरू कर दे तो फिर अंजाम क्या होगा? मामला हिमाचल प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग का है जब सरकार ने 16 अप्रैल 2026 को आरोपी तीन सह–प्राध्यापकों पवन कुमार जवाहर लाल नेहरू गवर्नमेंट फाइन आर्ट्स कॉलेज लोहारब (कत्थक नृत्य), अनिल कुमार सिद्धार्थ गवर्नमेंट कॉलेज नादौन (रसायन विज्ञान) और वीरेंद्र शर्मा राजीव गांधी गवर्नमेंट कॉलेज शिमला (गणित) को लंबी विभागीय जांच प्रक्रिया के उपरांत छात्राओं के साथ यौन उत्पीडन और दुर्व्यवहार के गम्भीर आरोप सिद्ध होने पर सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया।

गंभीर होता जा रहा है स्मार्ट बिजली मीटर का प्रकरण

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा बेहद गंभीर,स्मार्ट प्रीपेड मीटर की शिकायतें आते ही निस्तारण करें
लापरवाही कर चार इंजीनियरों को प्रतिकूल प्रविष्टि
सीएम योगी आदित्यनाथ के बेहतर विद्युत आपूर्ति के निर्देश का कराया जाएगा अनुपालन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गर्मियों में निर्बाध और बेहतर विद्युत आपूर्ति के साथ स्मार्ट बिजली मीटर के शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश के बाद बिजली विभाग के आला अधिकारी बहुत एक्टिव हो गए है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों का निस्तारण नहीं करने पर केस्को (कानपुर) के निदेशक (वाणिज्य) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

स्मार्ट मीटर के मामले में ही मिर्जापुर के अधीक्षण अभियंता एवं अधिशाषी अभियंता को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का आदेश दिया। डॉ. गोयल ने बिना तैयारी बैठक में आने पर बलिया के अधीक्षण अभियंता तथा ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने पर चौबेपुर के अधिशासी अभियंता को भी प्रतिकूल प्रविष्टि देने का आदेश दिया। भीषण गर्मी को देखते हुए बिजली की मांग बढ़ने पर भी निर्बाध विद्युत आपूर्ति की तैयारियों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में अध्यक्ष ने कहा कि निर्धारित शिड्यूल के अनुरूप सभी क्षेत्रों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति दी जाए। लाइनों और ट्रांसफार्मरों के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए। स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों का तत्काल निस्तारण करने के लिए निर्देश दिए।

डिस्काम स्तर पर इसके लिए बनाए गए कंट्रोल रूम एवं मानीटरिंग सेल की लगातार समीक्षा करने पर जोर दिया। टोल फ्री नंबर 1912 पर आने वाली शिकायतें खासकर स्मार्ट मीटरिंग से संबंधित शिकायतों का उसी दिन निस्तारण करने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि अभियान के रूप में कटे हुए प्रीपेड कनेक्शन वाले उपभोक्ता से संपर्क कर उन्हें रिचार्ज कराने के लिए प्रेरित करें। सोलर नेट मीटरिंग की लिस्ट बनाकर 15 दिन में समस्याओं को समाप्त किया जाए।

ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने पर जिम्मेदारी तय करते हुए वसूली एवं कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक डिस्काम में लापरवाह अधिकारियों को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ता पहुंचे उपकेंद्र– नाराज युवकों ने जेई का फोड़ा सिर

कुशीनगर,संवाददाता। तेज हवा और आग लगने का हवाला देते हुए जेई ने आपूर्ति चालू करने से मना कर दिया। इससे नाराज युवक उपकेंद्र के अंदर कर्मचारियों की पिटाई किया। इसमें जेई का सर फट गया और एसएसओ को चोटे आई हैं। कुशीनगर के माड़ेराय बिजली उपकेंद्र पर बुधवार को दोपहर में पहुंचे गांव के युवकों ने ड्यूटी पर तैनात जेई रविंद्र और एसएसओ की पिटाई करने लगे। दोपहर में हवा के चलते बिजली आपूर्ति बंद होने पर गांव के युवक पहुंचे और चालू कराने की मांग करने लगे। तेज हवा और आग लगने का हवाला देते हुए जेई ने आपूर्ति चालू करने से मना कर दिया। इससे नाराज युवक उपकेंद्र के अंदर कर्मचारियों की पिटाई किया। इसमें जेई का सर फट गया और एसएसओ को चोटे आई हैं। दोनों को लोगों को रामकोला सीएचसी पर पहुंचाया, जहां इलाज चल रहा है। मारपीट के बाद नाराज युवकों ने उपकेंद्र के अंदर तोड़फोड़ किया है। सूचना पर आई पुलिस घटना की जानकारी लिया। इस घटना से बिजली निगम कर्मचारियों में आक्रोश है।

31.21 लाख की ठगी

आठ साल में दोस्त ने हड़पे लाखों रुपये

संत कबीर नगर,संवाददाता। कुशीनगर जनपद के सरया महंत पट्टी निवासी शिवानी मिश्रा ने 10 अप्रैल को गोरखनाथ स्थित जनता दरबार में प्रार्थना–पत्र देकर बताया कि उनके भाई शेषनाथ मिश्रा अमेरिका में रहकर काम करते हैं। उनका आरोपी अनुपम से पारिवारिक संबंध था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने पिछले आठ वर्षों में व्यवसाय में निवेश के नाम पर अलग–अलग तिथियों में कुल 31.21 लाख रुपये ले लिए।शाहपुर थाना क्षेत्र के आम बाजार निवासी एक युवक से उसके परिचित ने व्यवसाय कराने के नाम पर 31.21 लाख रुपये हड़प लिए। पीड़ित वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका में रहकर काम करता है। रुपये वापस न मिलने पर उसकी बहन ने मुख्यमंत्री जनता दरबार में शिकायत की, जिसके बाद पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के मुताबिक, कुशीनगर जनपद के सरया महंत पट्टी निवासी शिवानी मिश्रा ने 10 अप्रैल को गोरखनाथ स्थित जनता दरबार में प्रार्थना–पत्र देकर बताया कि उनके भाई शेषनाथ मिश्रा अमेरिका में रहकर काम करते हैं। उनका आरोपी अनुपम से पारिवारिक संबंध था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर आरोपी ने पिछले आठ वर्षों में व्यवसाय में निवेश के नाम पर अलग–अलग तिथियों में कुल 31.21 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि जब पीड़ित ने अपनी रकम वापस मांगी तो आरोपी टालमटोल करने लगे। काफी समय बीतने के बाद पीड़ित ने अधिवक्ता के माध्यम से विधिक नोटिस भी भेजा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद जब पीड़ित और उसकी बहन ने आरोपियों से संपर्क किया तो उन्हें धमकी दी गई। मामले में कार्रवाई करते हुए शाहपुर पुलिस ने अनुपम, सिरजा देवी, वैभव और विवेकानंद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रेस्टोरेंट की आड़ में चल रहा था हुक्का बार,...

गोरखपुर,संवाददाता। एसपी सिटी निमिष पाटिल का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा। रेस्टोरेंट सील करने के साथ ही उसका लाइसेंस निरस्त कराने की संस्तुति जिलाधिकारी को भेज दी गई है। एसपी सिटी का कहना कि इस तरह के अवैध कार्यों पर सख्ती जरूरी है ताकि युवाओं को गलत गतिविधियों से बचाया जा सके और कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

कैंट थाना क्षेत्र के दाउदपुर स्थित रेस्टोरेंट 'क्लब 17' को सील करने के साथ ही इसका लाइसेंस निरस्त की तैयारी है। रविवार को यहां रेस्टोरेंट की आड़ में हुक्का बार चलता मिला था। कार्रवाई के लिए एसपी सिटी ने डीएम को पत्र लिखा है।

यह कार्रवाई क्लब की आड़ में युवाओं को हुक्का परोसने और नियमों के उल्लंघन के आरोपों के आधार पर की जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रेस्टोरेंट के दोनों संचालकों की लोकेशन नेपाल बॉर्डर के आसपास मिली है।

इसके बाद पुलिस की विशेष टीमें गिरफ्तारी के लिए रवाना कर दी गई हैं। कैंट पुलिस ने रविवार रात रेस्टोरेंट 'क्लब 17' पर छापा मारकर कर्मचारी गोला के केशवपार निवासी सत्यम कुमार, महाराजगंज के भेड़िया, कोठीभार निवासी विशाल गौड़, कैंट के मोहद्दीपुर निवासी कृष कुमार और गाजीपुर के दाउनपुर नानहरा निवासी समद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में हुक्का उपकरण, फ्लेवरयुक्त तंबाकू और अन्य सामग्री बरामद की थी। रेस्टोरेंट के संचालक रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के इंद्रानगर निवासी विजय विक्रम सिंह और देवरिया जिले के भिंगारी बाजार निवासी शिवम कुमार शाही मौके से भाग निकले थे। पुलिस की जांच में सामने आया कि रेस्टोरेंट के संचालक नियमों को दरकिनार कर हुक्का बार का संचालन कर रहे थे। यहां नवयुवक–युवतियों को आकर्षित कर उन्हें 1000 से 1500 रुपये में हुक्का परोसा जा रहा था, जो कि प्रतिबंधित गतिविधियों के दायरे में आता है।

एसपी सिटी निमिष पाटिल का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई को आगे बढ़ाया जाएगा।

रेस्टोरेंट सील करने के साथ ही उसका लाइसेंस निरस्त कराने की संस्तुति जिलाधिकारी को भेज दी गई है। एसपी सिटी का कहना कि इस तरह के अवैध कार्यों पर सख्ती जरूरी है ताकि युवाओं को गलत गतिविधियों से बचाया जा सके और कानून व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

शहर में अन्य क्लबों की भी होगी जांच

क्लब 17 पर हुई कार्रवाई के बाद प्रशासन ने शहर के अन्य क्लबों और रेस्टोरेंट्स की भी जांच शुरू करने की तैयारी कर ली है। अधिकारियों ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि नियमों का उल्लंघन करने वाले सभी प्रतिष्ठानों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान लाइसेंस, संचालन समय, सुरक्षा मानकों और गतिविधियों की विस्तृत पड़ताल की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि अवैध या नियम विरुद्ध संचालन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दोपहर एक बजे से रात बजे तक होता था संचालन

पुलिस के मुताबिक, 'क्लब 17' दोपहर एक बजे से रात एक बजे तक संचालित होता था। संचालक सोशल मीडिया के माध्यम से क्लब का प्रचार करते थे और युवाओं को सुविधाओं तथा तस्वीरों के जरिये आकर्षित कर आमंत्रित करते थे। हर यहां डांस और म्यूजिक पार्टी का आयोजन किया जाता था। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में युवक–युवतियां शामिल होते थे। क्लब में प्रवेश और सुविधाओं के नाम पर उनसे मोटी रकम वसूली जाती थी।

चार साल पहले हुई थी शादी

विवाहिता की संदिग्ध मौत से सनसनी मायके पक्ष ने लगाए गंभीर आरोप

गोरखपुर,संवाददाता। 28 वर्षीय सुप्रिया शुक्ला, पत्नी अजय शुक्ला की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सुप्रिया मूल रूप से देवरिया जिले के जगरनाथपुर की रहने वाली थी और उसकी शादी करीब चार वर्ष पूर्व अजय शुक्ला से हुई थी। दंपत्ति की डेढ़ साल की एक बेटी है, जो अब मां के साए से वंचित हो गई।

गोला थाना क्षेत्र के ककरही गांव में मंगलवार देर रात एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई, वहीं परिवार में कोहराम मच गया। मायके पक्ष ने मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, 28 वर्षीय सुप्रिया शुक्ला, पत्नी अजय शुक्ला की मंगलवार रात करीब 11 बजे संदिग्ध हालात में मौत हो गई। सुप्रिया मूल रूप से देवरिया जिले के जगरनाथपुर की रहने वाली थी और उसकी शादी करीब चार वर्ष पूर्व अजय शुक्ला से हुई थी। दंपत्ति की डेढ़ साल की एक बेटी है, जो अब मां के साए से वंचित हो गई। परिजनों के मुताबिक, घटना किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं ससुराल पक्ष इस मामले में कुछ भी कहने से बच रहा है, जिससे संदेह और गहरा गया है। मायके पक्ष ने भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं, हालांकि उनकी पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही गोला पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

बदल रहा है गोरखपुर

पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा– अभी चलती है क्रूज–फ्लोट

गोरखपुर,संवाददाता। यात्री बोट सेवा के संचालन के लिए जीडीए और जलमार्ग प्राधिकरण के बीच जल्द ही औपचारिक अनुबंध किया जाएगा। इस अनुबंध में संचालन, रखरखाव, राजस्व साझेदारी, सुरक्षा मानकों और ब्रांडिंग जैसे अहम बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। परियोजना को अंतर्देशीय जलयान अधिनियम 2021 के तहत तय सुरक्षा और पर्यावरण मानकों के अनुरूप लागू किया जाएगा।

शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल रामगढ़ताल में जल्द ही 50 यात्रियों की क्षमता वाली आधुनिक बोट सेवा शुरू होने जा रही है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना को शासन से वित्तीय एवं प्रशासनिक मंजूरी मिल चुकी है। इससे क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को और बढ़ावा मिलेगा।

जानकारी के अनुसार, इस पहल से जहां पर्यटकों को आकर्षक सुविधाएं मिलेगी,वहीं स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। संचालन के लिए जीडीए और प्राधिकरण के बीच जल्द ही अनुबंध किया जाएगा। इस संचालन, रखरखाव, राजस्वारी, सुरक्षा मानकों और ब्रांडिंग अहम बिंदुओं को शामिल किया जाएगा। परियोजना को अंतर्देशीय जलयान अधिनियम तय सुरक्षा और पर्यावरण अनुरूप लागू किया जाएगा।

प्राधिकरण ने जीडीए से अनुबंध का प्रारूप तैयार कर शीघ्र सुझाव देने को कहा है, ताकि शासन की अंतिम स्वीकृति के बाद परियोजना को धरातल पर उतारा जा सके। बताया जा रहा है कि परियोजना के लिए कुल 3.06 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें से 2.19 करोड़ रुपये की पहली किस्त उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण की ओर से जीडीए को जारी कर दी गई है। जीडीए के उपाध्यक्ष आनंद वर्धन ने बताया कि परियोजना को मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही सभी औपचारिकताएं पूरी कर बोट सेवा शुरू कर दी जाएगी।

बेटियों ने मारी बाजी

आस्था 12 वी और दिव्या 10 वी की जिला टापर

जिले में बेटियों ने बाजी मारी है। कक्षा 12 वीं में कार्मल इंटर कॉलेज की आस्था 92.80 अंक तथा कक्षा 10 वीं में संस्कार इंटरमीडिएट कॉलेज रिठुआखोर की दिव्या 95.67 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले की टॉपर बनी हैं। दोनों ही कक्षाओं में बेटियों ने पहला और दूसरा स्थान हासिल कर अपनी श्रेष्ठता साबित की है।

गोरखपुर,संवाददाता। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (यूपी बोर्ड) की कक्षा 10 वीं और 12 वीं का रिजल्ट घोषित कर दिया है। जिले में बेटियों ने बाजी मारी है।

कक्षा 12 वीं में कार्मल इंटर कॉलेज की आस्था 92.80 अंक तथा कक्षा 10 वीं में संस्कार इंटरमीडिएट कॉलेज रिठुआखोर की दिव्या 95.67 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले की टॉपर बनी हैं। दोनों ही कक्षाओं में बेटियों ने

पहला और दूसरा स्थान हासिल कर अपनी श्रेष्ठता साबित की है।

बृहस्पतिवार की शाम चार बजे रिजल्ट आते ही मेधावियों के परिवारों में जश्न का माहौल हो गया। कई स्कूलों में विद्यार्थियों में पहुंचकर शिक्षकों से आशीर्वाद लिया और एक–दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई। यूपी बोर्ड से जारी रिजल्ट के मुताबिक, कक्षा 10 वीं में दूसरे स्थान पर 95 प्रतिशत पाकर दीनानाथ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेलघाट की प्रिया दूसरे और एपीजे अब्दुल कलाम मेमोरियल एकेडमी, बेलवार की विदिशा मौर्या संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं। वहीं, कक्षा 12 वीं में दूसरे स्थान पर रहीं एसएमटी फूलमती इंटर कॉलेज हल्दीचक की सुप्रिया शर्मा ने 92.40 प्रतिशत अंक हासिल किया।

जिले में यूपी बोर्ड 2026 की परीक्षा में 1.33 लाख से अधिक छात्र–छात्राएं शामिल हुए, जिनमें 12वीं में 65,892 और हाईस्कूल के लिए 67,642 छात्र–छात्राएं परीक्षा में शामिल थे। कुल 198 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा कराई गई।

मोबाइल फोन की रोशनी बढ़ा रही अनिद्रा

मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से अनिद्रा और तनाव बढ़ रहा है, जिससे आयुष विश्वविद्यालय के पंचकर्म विभाग में रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई है।

संवाददाता, गोरखपुर। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग अब लोगों की नींद पर भारी पड़ने लगा है। देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने की आदत के कारण अनिद्रा, तनाव और मानसिक थकान जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इससे प्रभावित रोगी आयुष विश्वविद्यालय में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। पंचकर्म विभाग में शिरोधारा विधि से उनकी समस्या का समाधान किया जा रहा है। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के ओपीडी में पंचकर्म चिकित्सा होती है। यहां अनिद्रा, सिरदर्द सहित अन्य समस्याओं से पीड़ित की संख्या महीने में 10– 12 होती थी। वहीं अब प्रतिदिन बढ़कर दो से तीन हो गई है। चिकित्सीय जांच के बाद ऐसे रोगियों का शिरोधारा विधि से उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार यह समस्या युवाओं और कामकाजी वर्ग में अधिक देखने को मिल रही है। आयुर्वेद चिकित्सक डा. लक्ष्मी अग्निहोत्री ने बताया कि मोबाइल स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी शरीर में नींद नियंत्रित करने वाले हार्मोन को प्रभावित करती है। देर रात तक मोबाइल का उपयोग मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखता है, जिससे नींद आने में कठिनाई होती है और धीरे–धीरे अनिद्रा की समस्या गंभीर रूप ले लेती है।

शिरोधारा आयुर्वेद की प्राचीन पंचकर्म चिकित्सा पद्धति है, जिसमें औषधीय तेल को माथे पर प्रवाहित किया जाता है। इस प्रक्रिया से मस्तिष्क की नसों को शांति मिलती है और तंत्रिका तंत्र संतुलित होता है। चिकित्सकों का कहना है कि यह विधि प्राकृतिक नींद लाने, मानसिक तनाव कम करने और सिरदर्द से राहत देने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है। नियमित रूप से शिरोधारा उपचार लेने वाले रोगियों में नींद की गुणवत्ता सुधरी है। इसके साथ ही माइग्रेन, उच्च रक्तचाप, बाल झड़ना, त्वचा विकार और मानसिक तनाव जैसी समस्याओं में भी लाभ मिल रहा है।

टापर बनकर उभरा बाराबंकी जिला, सीतापुर दूसरे स्थान पर, इस बार परिणाम में ये बातें रही खास

लखनऊ,संवाददाता। हाईस्कूल वर्ष 2025 के मुकाबले 2026 का परिणाम टॉप–10 मेरिट के लिहाज काफी बेहतर रहा। 2025 के परिणाम की टॉप–10 मेरिट में जहां 55 मेधावियों ने जगह बनाई थी। वहीं, इस बार 115 मेधावी इस लिस्ट में अपना नाम शामिल कराने में कामयाब रहे। ऐसे में टॉप–10 की मेरिट में 60 टॉपर्स बढ़ गए। यूपी बोर्ड के परीक्षा परिणामों में बाराबंकी जिला टॉपर बनकर उभरा है। हाईस्कूल में टॉपर समेत जिले की तीन और इंटर में दो बेटियों ने टॉप–3 में जगह बनाई है।

हाईस्कूल और इंटर की टॉपर समेत टॉप–3 में तीन बेटियों के साथ सीतापुर दूसरे स्थान पर रहा। जारी परीक्षा परिणामों के मुताबिक हाईस्कूल में सीतापुर की कशिश वर्मा और बाराबंकी की अंशिका वर्मा ने 97.83 अंकों के साथ संयुक्त रूप से टॉप किया।

इंटरमीडिएट में सीतापुर की शिखा वर्मा ने 97.60 अंकों के साथ प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है।

हाईस्कूल में दूसरे स्थान पर बाराबंकी को अदिति और तीसरे स्थान पर सीतापुर की अर्पिता, झांसी के ऋषभ साहू व बाराबंकी की परी वर्मा शामिल हैं। इंटरमीडिएट में बरेली की नंदिनी गुप्ता व बाराबंकी की श्रेया वर्मा संयुक्त रूप से दूसरे और बरेली को सुरभि यादव व बाराबंकी की पूजा पाल संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। सीतापुर की टॉपर शिखा वर्मा और कशिश वर्मा ने बाबूराम सावित्री देवी शेखपुर, बिलौली बाजार से पढ़ाई की है। अंशिका वर्मा बाराबंकी के मॉडर्न एकेडमी इंटर कॉलेज, जैदपुर की छात्रा है।

हाईस्कूल में 60 टॉपर बढ़े तो इंटरमीडिएट में सात घंटे

हाईस्कूल वर्ष 2025 के मुकाबले 2026 का परिणाम टॉप–10 मेरिट के लिहाज काफी बेहतर रहा। 2025 के परिणाम की टॉप–10 मेरिट में जहां 55 मेधावियों ने जगह बनाई थी। वहीं, इस बार 115 मेधावी इस लिस्ट में अपना नाम शामिल कराने में कामयाब रहे। ऐसे में टॉप–10 की मेरिट में 60 टॉपर्स बढ़ गए।

2025 के मुकाबले इस बार इंटरमीडिएट की टॉप–10 मेरिट में टॉपर्स की संख्या घटी है। 2025 की मेरिट में 30 मेधावी शामिल थे, जबकि इस बार 23 मेधावियों को टॉप–10 की मेरिट में शामिल किया गया है।

बोर्ड के निदेशक डॉ. महेंद्र देव के मुताबिक, हाईस्कूल का परिणाम 90.42 फीसदी व इंटरमीडिएट का 80.38 फीसदी रहा। पिछले वर्ष की तुलना में हाईस्कूल के परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण प्रतिशत में 0.31 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि इंटरमीडिएट में परीक्षार्थियों के उत्तीर्ण प्रतिशत में 0.77 फीसदी की कमी आई है।

टॉप–3 के 11 मेधावियों में 10 बेटियों का दबदबा

– हाईस्कूल व इंटरमीडिएट दोनों में बेटियों का उत्तीर्ण प्रतिशत बेहतर रहा। हाईस्कूल की टॉप–3 लिस्ट में शामिल छह मेधावियों में पांच बेटियां हैं। इंटरमीडिएट की टॉप–10 सूची के पहले छह स्थानों पर सिर्फ बेटियों का ही कब्जा रहा। इस तरह दोनों में टॉप–3 में शामिल 11 मेधावियों में 10 बेटियां शामिल हैं।

– हाईस्कूल की टॉप–10 लिस्ट में शामिल 115 मेधावियों में से 31 बालिकाएं हैं। इंटरमीडिएट की टॉप–10 मेरिट में 23 मेधावियों ने जगह बनाई है और इनमें से 14 बेटियां हैं। हाईस्कूल में बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.30 व बालिकाओं का 73.76 रहा। वहीं, इंटरमीडिएट में बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 75.04 व बालिकाओं को 86.32 रहा।

गोरखपुर क्लब के मालिक के बेटे ने की खुदकुशी

गोडाउन में खुद को मारी गोली

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर क्लब के मालिक अतुल श्रीवास्तव के बेटे अम्बरीष श्रीवास्तव ने खुद को गोली मारकर अपनी जान ले ली। जानकारी के मुताबिक, कुसमी स्थित शामियाना एंड कैटर्स के गोडाउन में अपने लाइसेंसी रिवाल्वर से अम्बरीष ने गोली मारी है। सिविल लाइंस (यह खुद ही क्षेत्र है) के बेहद चर्चित क्षेत्र (हिस्से) में अम्बरीष का घर है। घर के आसपास जिले के बड़े अधिकारियों का भी सरकारी आवास है। घटना की सूचना मिलने पर सभी स्तब्ध रह गए। एसपी सिटी निमिष पाटिल ने बताया कि अम्बरीष ने सुसाइड कर लिया है। कारणों की जांच की जा रही है। शव गोडाउन में मिला है।

गोरखपुर में मछली का 'मुड़ा' न मिलने पर झगड़ा, युवक पर धारदार हथियार से हमला

गोरखपुर में एक तिलक समारोह में मछली का 'मूड़ा' न मिलने पर हुए विवाद में बीच–बचाव करने गए युवक पर धारदार हथियार से हमला किया गया।

संवाददाता, गोरखपुर। तिलक समारोह में मछली का 'मूड़ा' (सिर) न मिलने से नाराज मनबढ़ों ने विवाद कर लिया। मामला बढ़ने पर बीच–बचाव करने पहुंचे युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गुलरिहा पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही है। यह घटना बुधवार की रात जंगल डुमरी नंबर–1 के चिरकुट टोला में हुई। बुधबाजार टोला का अभिषेक कुमार अपने मित्र इंद्रेश के तिलक समारोह में शामिल होने गया था। समारोह में भोजन के दौरान गांव के ही अनमोल, अभय और मधुसूदन बार–बार खाना परोसने वालों से मछली का मूड़ा मांग रहे थे। जब उन्हें बताया गया कि मूड़ा खत्म हो गया है, तो वे भड़क गए और आयोजक पक्ष से कहासुनी करने लगे। स्थानीय लोगों अनुसार विवाद बढ़ता देख अभिषेक ने माहौल शांत कराने के लिए बीच–बचाव करने का प्रयास किया। इसी दौरान आरोपित उससे उलझ गए और गाली–गलौज करने लगे। मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह मामला शांत कराया।

कुछ देर बाद जब अभिषेक भोजन रहा था, तभी तीनों आरोपित फिर वहां पहुंचे और उसे घेर लिया। आरोप है कि पिटाई करने के बाद धारदार हथियार से उसके ऊपर हमला कर दिया। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा–तफरी मच गई।

सीनीय लोगों ने किसी तरह बीच–बचाव कर अभिषेक को हमलावरों से छुड़ाया और अस्पताल ले गए। पीड़ित ने गुलरिहा थाने में अनमोल, अभय और मधुसूदन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। सीओ गोरखनाथ रवि कुमार सिंह ने बताया कि आरोपितों की तलाश चल रही है।

तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर

पति,पत्नी और मासूम बेटी को कुचला,तीनों की दर्दनाक मौत– महराजगंज की घटना

महाराजगंज,संवाददाता। कड़ी भारतखंड (थाना कोठीभार) निवासी नौशाद (28) अपनी पत्नी सलेहा (26) और पांच वर्षीय मासूम बेटी शहजादी के साथ बाइक से परतावल दवा लेने जा रहे थे। अभी वह बलुहीधूस चौराहे के पास पहुंचे थे तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। सिंदुरिया थाना क्षेत्र के बलुहीधूस चौराहे के पास बृहस्पतिवार की दोपहर ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार पकड़ी भारतखंड थाना कोठीभार निवासी नौशाद (28), पत्नी सलेहा (26) और पांच वर्षीय मासूम बेटी शहजादी की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही ट्रेलर चालक को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार पकड़ी भारतखंड (थाना कोठीभार) निवासी नौशाद (28) अपनी पत्नी सलेहा (26) और पांच वर्षीय मासूम बेटी शहजादी के साथ बाइक से परतावल दवा लेने जा रहे थे। अभी वह बलुहीधूस चौराहे के पास पहुंचे थे तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई और माहौल गमगीन हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया साथ ही ट्रेलर चालक को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार हादसे का मुख्य कारण प्रतीत हो रहा है।

आटो ड्राइवर की बेटी ने यूपी बोर्ड में किया कमाल

लखनऊ की आंचल बोलीं– इंजीनियर बनना है सपना
आंचल गुप्ता ने हाईस्कूल में 90.6 अंक प्राप्त किए।
लखनऊ जिले की टॉप–10 सूची में छठवीं रैंक हासिल की।
ऑटो चालक की बेटी अब इंजीनियर बनने का लक्ष्य रखती हैं।

सरोजनीनगर,संवाददाता। क्षेत्र के हीरालाल यादव इंटर कॉलेज की मेधावी छात्रा आंचल गुप्ता ने हाईस्कूल परीक्षा में 90.6 प्रतिशत अंक हासिल कर लखनऊ जिले की टॉप–10 सूची में छठवीं रैंक प्राप्त की है। सीमित संसाधनों के बीच उनकी यह सफलता एक प्रेरणादायक मिसाल बनकर उभरी है। दरोगा खेड़ा की निवासी आंचल गुप्ता के पिता एक ऑटो चालक हैं, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद बेटी की पढ़ाई में कमी नहीं आने दी।

आंचल की इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार, बल्कि विद्यालय और पूरे क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल है। आंचल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया।

नियमित पढ़ाई से पाई सफलता

उन्होंने बताया कि नियमित पढ़ाई, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही उनकी सफलता का आधार रहा है। आगे के लक्ष्य के बारे में आंचल ने कहा कि वह बीटेक कर एक सफल इंजीनियर बनना चाहती हैं और इसके लिए वह पूरी मेहनत और लगन के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखेंगी। विद्यालय प्रबंधन ने भी आंचल की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और संघर्ष अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है।

योगी आदित्यनाथ सरकार ने जारी किया 250 करोड़ का फंड

अब शिक्षा मित्रों खाते में हर माह जाएगा 18 हजार रुपये

लखनऊ,संवाददाता। योगी आदित्यनाथ सरकार ने कैबिनेट में अनुमोदन के बाद प्रदेश के एक लाख 42 हजार शिक्षामित्रों को बढ़ा हुआ मानदेय जारी कर दिया है। सरकार ने हर माह उनके खाते में 18–18 हजार रुपये मानदेय के लिए विभाग को 250 करोड़ रुपये का फंड जारी किया है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने मार्च में शिक्षा मित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपया किया था। अप्रैल से शिक्षा मित्रों को बढ़ा हुआ मानदेय दिया जाएगा। शिक्षा विभाग ने पहले ही मानदेय बढ़ाने का आदेश जारी कर चुकी है। शिक्षा मित्रों को 11 महीने का वेतन दिया जाता है। सरकार ने जिलेवार जारी फंड की सूची भी जारी की है। परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षामित्रों के लिए बड़ी राहत की खबर है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026–27 में शिक्षामित्रों को 18 हजार रुपये प्रति माह मानदेय देने के लिए 250 करोड़ रुपये (25,000 लाख) की धनराशि जारी कर दी है। यह भुगतान एक अप्रैल 2026 से लागू

होगा। बेसिक शिक्षा निदेशक के 23 अप्रैल 2026 को जारी आदेश के तहत यह धनराशि सभी जिलों को आवंटित कर दी गई है। यह बजट "शिक्षामित्रों को मानदेय भुगतान (जिला योजना)" मद में दिया गया है, जिससे पूरे प्रदेश में शिक्षामित्रों को नियमित भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि जारी धनराशि का उपयोग केवल शिक्षामित्रों के मानदेय भुगतान के लिए ही किया जाएगा। जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि धनराशि एकमुश्त न निकालकर माहवार जरूरत के अनुसार ही राजकोष से आहरित करें। इसके साथ ही, अगली किस्त जारी होने से पहले संबंधित अधिकारियों को खर्च की गई धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र देना अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। सरकार ने 15 अप्रैल 2026 के शासनादेश के तहत इस बजट को स्वीकृति दी थी, जबकि 9 अप्रैल 2026 के आदेश में 18 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय लागू करने का निर्णय लिया गया था। इस फैसले से प्रदेश के हजारों शिक्षामित्रों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ ने किया स्वागत

प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश बीटीसी शिक्षक संघ, अनिल यादव ने कहा कि परिषद के शिक्षा मित्रों का बढ़ा हुआ मानदेय बजट 18 हजार रूपये के हिसाब से जारी करने का संघ स्वागत करता है। इस महंगाई में उन्हें अब कुछ राहत मिलेगी। सरकार को धन्यवाद।

मथुरा में पांच नकाबपोश बदमाशों का आतंक

परिवार को बंधक बनाकर 15 लाख की डकैती

संवाददाता, मथुरा। सुरीर क्षेत्र में गुरुवार रात नकाबपोश बदमाशों ने ऐसा तांडव मचाया कि पूरे इलाके में दहशत फैल गई। कस्बा टैंटीगांव में रात साढ़े 12 बजे पांच बदमाशों ने एक परिवार को बंधक बनाकर लाखों की डकैती को अंजाम दिया। हथियारों से लैस बदमाश पूरी तैयारी के साथ आए थे। घटना से लोगो में आक्रोश है। दुकानदारों ने बाजार को बंद रख विरोध जताया है।

सुरीर के कस्बा टैंटीगांव में अजय अग्रवाल परचून की दुकान करते हैं। घर में ही उनकी दुकान बनी हुई है। गुरुवार रात साढ़े 12 बजे पांच नकाबपोश बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे। उन्होंने जाल हटाकर सीधे उनके घर में प्रवेश किया।

अंदर मौजूद सभी लोगों को अपने कब्जे में ले लिया। बदमाशों ने अजय अग्रवाल, उनके पिता प्रेम प्रकाश अग्रवाल, पत्नी अनीता अग्रवाल और छह वर्ष की मासूम बच्ची उमा को रस्सियों से बांध दिया। इसके बाद करीब ढाई घंटे तक घर में खुलकर लूटपाट की।

बदमाशों ने बिना किसी डर के रात तीन बजे तक घर को खंगाला और करीब 15 लाख रुपये का माल समेट कर फरार हो गए। लूट में तीन लाख रुपये से ज्यादा की नकदी और भारी मात्रा में सोने–चांदी के जेवरात शामिल बताए जा रहे हैं। वारदात के बाद पूरे इलाके में भय और गुस्से का माहौल है। लोगों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। व्यापारियों ने वारदात के विरोध में शुक्रवार सुबह दुकानों के ताले नहीं खोले। बाजार बंद कर वारदात को लेकर आक्रोश जताया। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित कराए। साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए हैं। एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत ने बताया कि जांच शुरू कर दी है। जल्द ही वारदात का राजफाश किया जाएगा।

नोएडा से लखनऊ घूमने आए युवक का होटल के कमरे में मिला शव

नोएडा का युवक लखनऊ होटल में मृत मिला।
मुंह से झाग निकलने पर जहरीले पदार्थ का शक।
पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर का इंतजार कर रही।

संवाददाता, लखनऊ। नोएडा से चार दोस्तों के साथ लखनऊ घूमने आए युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में विभूति खंड स्थित होटल के कमरे में गुरुवार रात मौत हो गई। उसके मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस जहरीला पदार्थ खाने से आत्महत्या की आशंका जता रही है। प्रारंभिक जांच के मुताबिक नोएडा निवासी 27 वर्षीय सुधीर एक युवती और अपने तीन दोस्तों के साथ लखनऊ आए थे। गुरुवार की शाम सुधीर अपने कमरे में रुके थे। उनके बाकी दोस्त घूमने निकले थे। देर रात तीनों लोग वापस आए तो सुधीर को आवाज दी। कई बार बुलाने पर कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कमरे में जाकर देखा तो सुधीर अचेत अवस्था में पड़े थे। उनके मुंह से झाग निकल रहा था। आनन फानन में उन्होंने होटल स्टाफ को सूचना दी। सुधार को इलाज के लिए राम मनोहर लोहिया संस्थान पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। विभूतिखंड थाने की पुलिस ने सुधीर के परिवारजन को घटना की सूचना देकर शव पोस्टमार्टम गृह में रखवाया है। मौत के कारण अभी स्पष्ट नहीं हैं। इंस्पेक्टर अमर सिंह ने बताया कि परिवार की तरफ से कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर छानबीन की जाएगी।

मिट्टी का घर... दो वक्त की रोटी के लिए भी संघर्ष

मजदूर के बेटे उमाशंकर ने किया जिला टाप
गरीबी और संघर्षों के बावजूद हासिल की सफलता
कालेज प्रबंधक ने पढ़ाई में की आर्थिक मदद

लखीमपुर खीरी,संवाददाता । जिस घर में दो वक्त की रोटी के लिए पसीना बहाना मजबूरी हो, जहां नदी हर साल जमीन और सपनों को काट ले जाती हो३ वहां से भी सपने उड़ान भर सकते हैं, अगर हौसला जिंदा हो। रामनगर बगहा गांव के उमाशंकर ने यह साबित कर दिया है। मजदूरी कर परिवार चलाने वाले पिता भगौती और मां कामना ने हालात के आगे घुटने टेकने के बजाय बेटे की पढ़ाई को चुना। न ट्यूशन, न कोचिंग, न कोई संसाधन३ फिर भी उमाशंकर ने इंटरमीडिएट परीक्षा में पांचों विषयों में विशेष योग्यता के साथ जिले में टॉप कर दिया। संघर्ष से भरी है। एक बीघा जमीन नदी में समा चुकी है, कच्चा घर भी कटान के खतरे में है। पेट पालने के लिए मां–बाप खेतों में मजदूरी करते हैं और उसी कमाई से बेटे की फीस भरते हैं। उमाशंकर भी पढ़ाई के साथ खेतों में हाथ बंटाता रहा। उसकी प्रतिभा को पहचानते हुए नैनापुर के चेतना मेमोरियल इंटर कॉलेज के प्रबंधक इंजीनियर धनीराम मौर्य ने उसे हर संभव सहारा दिया। जरूरत पड़ने पर आर्थिक मदद की, यहां तक कि मोबाइल फोन भी दिलाया, ताकि पढ़ाई में कोई बाधा न आए।

जब आया रिजल्ट खेत में दरांती चला रहे थे माता–पिता

गुरुवार को जब यूपी बोर्ड का रिजल्ट आया, उस वक्त भगौती और कामना अपने गांव से 30 किलोमीटर दूर सुजईकुंडा में गेहूं काट रहे थे। उन्हें बेटे की कामयाबी की भनक तक नहीं थी। मीडिया के लोग जब उन्हें खोजते हुए खेत तक पहुंचे और बेटे के जिला टॉप करने की खबर दी, तब जाकर उन्हें अहसास हुआ कि उनके बेटे ने कुछ बड़ा कर दिखाया है।

प्रधानी के दावेदार ओमनारायण शुक्ल मिठाई लेकर आए, तब माहौल खुशियों में बदल गया। भगौती की आंखों में चमक थी, लेकिन शब्द कम बस इतना ही कह पाए, सब भगवान की कृपा है। यह कहानी सिर्फ एक टापर की नहीं, बल्कि उस विश्वास की है, जो कहता है कि अगर हौसले मजबूत हों, तो गरीबी भी रास्ता नहीं रोक सकती।

सेंट्रल मार्केटः व्यापारियों को नोटिस जारी

अरुण गोविल पहुंचे, महिलाओं के छलके आंसू, सांसद बोले–सरकार आपके साथ

मेरठ,संवाददाता। स्थित सेंट्रल मार्केट में व्यापारियों को नोटिस देने की कार्रवाई शुरू हो गई है। आवास विकास परिषद की सात टीमें मौके पर पहुंचीं और भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बीच सांसद अरुण गोविल को सेंट्रल मार्केट में देख महिलाएं भावुक हो गई। मेरठ के शास्त्रीनगर स्थित सेंट्रल मार्केट में दुकानों और मकानों को बचाने के लिए महिलाओं का चल रहा धरना शुक्रवार को 15वें दिन भी जारी है। गुरुवार को हालांकि शासन के उच्चाधिकारियों के साथ हुई सकारात्मक वार्ता के बाद आंदोलनकारियों के तेवर कुछ नरम पड़ते नजर आए। महिलाओं ने सरकार पर भरोसा जताते हुए राहत की उम्मीद जताई है। सेंट्रल मार्केट में धरना दे रही महिलाओं के बीच सांसद अरुण गोविल पहुंचे। महिलाओं ने रोते हुए अपनी पीड़ा सुनाई, जिस पर सांसद ने भरोसा दिलाया कि सरकार उनके साथ है

और समाधान निकालने की कोशिश की जा रही है।

सात टीमों ने शुरू की नोटिस की कार्रवाई

आवास विकास परिषद की सात अलग–अलग टीमों ने सेंट्रल मार्केट क्षेत्र में पहुंचकर कार्रवाई शुरू की। सबसे पहले आरटीओ रोड क्षेत्र की कई दुकानों को नोटिस दिए गए। कार्रवाई के दौरान विरोध की आशंका को देखते हुए सेक्टर–2 में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन की इस कार्रवाई के चलते बाजार क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

14वें दिन भी जारी रहा महिलाओं का धरना

सेंट्रल मार्केट में अपनी दुकानों और घरों को बचाने के लिए महिलाएं पिछले 14 दिनों से धरने पर बैठी हुई हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, आवास एवं विकास परिषद के चेयरमैन पी. गुरु प्रसाद और आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनी थीं।

अधिकारियों ने व्यापारियों से जरूरी दस्तावेज भी एकत्र किए और समाधान का आश्वासन दिया। इसी के बाद धरना स्थल पर आंदोलनकारियों का रुख कुछ नरम दिखाई दिया। वहीं आज सुबह से महिलाएं फिर से धरने पर पहुंच गईं।

सांसद अरुण गोविल पहुंचे

नोटिस की कार्रवाई और पुलिस तैनाती के बीच इलाके में अरुण गोविल के मौके पर पहुंचे। सेंट्रल मार्केट में चल रहे धरने के बीच शुक्रवार को मेरठ के सांसद अरुण गोविल महिलाओं के बीच पहुंचे। सांसद को देखते ही कई महिलाएं भावुक हो गईं और अपनी दुकानों व घरों को बचाने की गुहार लगाते हुए रो पड़ीं। सांसद ने महिलाओं को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार उनकी समस्या को गंभीरता से ले रही है और समाधान निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सांसद बोले–मैं भगवान नहीं, आपका भाई–बेटा हूं

महिलाओं को शांत कराते हुए सांसद ने कहा, मैं कोई भगवान नहीं हूं, मैं आपका भाई–बेटा हूं और आपके परिवार का ही हिस्सा हूं। सरकार आपके साथ है और हम सब मिलकर इसका रास्ता निकालने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों और स्थानीय लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए उचित समाधान खोजा जाएगा।

खेत में अधजली महिला का शव मिला

महाराजगंज,संवाददाता। पुलिस के अनुसार महिला की उम्र करीब 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसका चेहरा, हाथ व शरीर बुरी तरह जला हुआ है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, पैर में बिछिया व पायल मिलने से महिला के विवाहित होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के सेमरा चन्द्रौली गांव में बुधवार सुबह एक अज्ञात महिला का अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। शव गांव के सिवान में बड़ी नहर के पश्चिम स्थित बंसवार निवासी राजाराम सिंह के खेत में पड़ा मिला। सुबह खेत की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखकर इसकी सूचना ग्राम प्रधान के माध्यम से पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना पर थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की। कुछ ही देर में क्षेत्राधिकारी अंकुर गौतम और एडिशनल एसपी सिद्धार्थ ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर जांच का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

पुलिस के अनुसार महिला की उम्र करीब 35 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसका चेहरा, हाथ व शरीर बुरी तरह जला हुआ है, जिससे पहचान करना मुश्किल हो रहा है। हालांकि, पैर में बिछिया व पायल मिलने से महिला के विवाहित होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है और महिला की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

गोरखपुर का इको पार्क सीएम योगी ने किया उद्घाटन

बोले- नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी ने कहा, गोरखपुर नगर में जहां पहले पानी भरता था वहां आज बेहतर नालियां हैं। अंधेरा था वहां आज स्ट्रीट लाइटें हैं। जहां पहले हवा में बदबू थी आज स्वच्छ वातावरण में लोग मॉर्निंग वॉक कर सकते हैं। आज शुद्ध पेयजल की उपलब्धता है। इस बंधे पर जो एनर्जी खर्च होगी वह रिन्यूएबल है। यहां सोलर पैनल लगाए गए हैं। सिटी फॉरेस्ट से क्षेत्र में हरियाली होगी और प्रदूषण कम होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जहां पहले मीथेन गैस निकलती थी वहां आज बच्चों के खेलने के लिए पार्क है। लोग योगासन और ध्यान कर सकते हैं। यह बताता है कि जब नियत साफ हो तो नियति को बदलने में देर नहीं लगती। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को इको पार्क और एकला बांध सड़क के लोकार्पण के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने 1055 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि कुछ करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। पहले बहुत भद्दा लगता था। लखनऊ, वाराणसी की तरफ प्रवेश करते हुए सबसे पहले कचरा ही दिखता था।

35 वर्ष पहले ट्रांसपोर्ट नगर में शहर का सारा कचरा डंप होता था। वह बहुत भद्दा लगता था। वहां सफाई हुई और आज वहां ट्रांसपोर्ट नगर है। गोरखपुर की मंडी है। उसके बाद यह कचरा आकर एकला बंधे पर गिरने लगा था। गंदगी के साथ हवा में बदबू और जमीन में जहर हो गया था। इसकी वजह से नीचे गंदगी होती थी और एनजीटी जुर्माना लगाता था। इससे भूजल भी प्रभावित होता था। आज यहां एक आधुनिक पार्क बन गया है। यह केवल पार्क नहीं पिकनिक स्पॉट बन गया है। यहां लोग परिवार के साथ बैठ सकते थे। यह बदलाव गोरखपुर में हर तरफ देखने को मिल रहा है।

गोरखपुर वाराणसी मार्ग को जोड़ने के लिए तीन किलोमीटर लंबी फोरलेन की कनेक्टिविटी भी मिल रही है। इस मार्ग से लखनऊ, बांसगांव, कौड़ीराम तक जा सकते है। गोरखपुर में पिछले नौ वर्ष में जो कार्य प्रारंभ हुए यह उसी का परिणाम है। हमें स्कूली बच्चों को आरआरआर के बारे में बताना पड़ेगा। वेस्ट टू आर्ट के बारे में बताना पड़ेगा। पार्क में कचरे से बने आर्ट लगाए गए हैं। क्विज और रील प्रतियोगिता के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। आज जो भी यूपी में आता है उसको सुरक्षा के साथ बदलाव देखने को मिलता है। स्मार्ट के साथ सेफ सिटी भी हो। उत्तर प्रदेश के सभी नगर निगमों ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को आगे बढ़ाया है। सीएम ग्रिड के तहत स्मार्ट सड़कें बन रही हैं। हर वार्ड में एंड–टू–एंड पेविंग , ग्रीन बेल्ट और मिनी फॉरेस्ट का काम हो रहा है। खुली नालियों को बेहतरीन तरीके से ढकने का काम किया जा रहा है। गोरखपुर नगर में जहां पहले पानी भरता था वहां आज बेहतर नालियां हैं। अंधेरा था वहां आज स्ट्रीट लाइटें हैं। जहां पहले हवा में बदबू थी आज स्वच्छ वातावरण में लोग मॉर्निंग वॉक कर सकते हैं। आज शुद्ध पेयजल की उपलब्धता है। इस बंधे पर जो एनर्जी खर्च होगी वह रिन्यूएबल है। यहां सोलर पैनल लगाए गए हैं। सिटी फॉरेस्ट से क्षेत्र में हरियाली होगी और प्रदूषण कम होगा। इसी को लेकर प्रदेश के सभी नगर निगमों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा है। पहले गोरखपुर में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव था। पहले गोरखपुर के लोग स्वास्थ्य शिक्षा के लिए बाहर जाते थे। आज गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं। सहजनवा में मिनी स्टेडियम है। अब फर्टिलाइजर कारखाना भी चल रहा है। पिपराइच में चीनी मिल भी लग गई है। गोरखपुर ग्रामीण में ही इंटरनेशनल स्टेडियम और वेटनरी कॉलेज भी बन रहा है। सिक्सलेन और फोरलेन से कनेक्टिविटी भी बेहतर हुई है। इसका ध्यान रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। वन महोत्सव में ग्रामीण विधायक इस बंधे के किनारे वृहद पौधरोपण कराएं। हर वार्ड में मिनी फॉरेस्ट बनाए जाएं। इस फोरलेन से जाम की समस्या का भी समाधान हुआ है। सीएम ने रविकिशन की चुटकी लेते हुए कहा कि संसद में सांसद का भाषण सुना ही होगा। आचरण किया कि नहीं।

कचरा में खोज दिया हीरा : रविकिशन

सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि जहां कचरा था वहां आज स्वर्ग बन गया है। पहले सब नाक दबाकर जाते थे आज साफ हो गया है। सपा–बसपा का बनाया गटर आज साफ हो चुका है। कचरा में हीरा खोज दिया गया।

प्रचंड गर्मी की चपेट में प्रदेश

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और तपिश का प्रकोप लगातार जारी है। बुंदेलखंड इलाके के साथ ही कई अन्य जिले गर्म हवा और लू के थपेड़ों की चपेट में रहे। बांदा प्रदेश में सर्वाधिक गर्म रहा और देश में तीसरे नंबर पर रहा। मौसम विभाग का कहना है कि 25 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में तापमान में बढ़ोतरी दर्ज होगी और लू से प्रभावित क्षेत्रों का दायरा बढेगा। फिलहाल अगले दो दिनों तक इस प्रचंड गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

लिए यूपी के 22 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया गया है। बुधवार को बांदा में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं वहीं 43.7 डिग्री के साथ प्रयागराज प्रदेश में दूसरे नंबर पर रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 26 अप्रैल से एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश भर में बादलों की सक्रियता बढ़ेगी और पश्चिमी यूपी, तराई आदि में बूंदाबांदी से पारे में गिरावट के संकेत हैं।

22 जिलों के लिए है लू की चेतावनी
बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर आजमगढ़, मऊ, बलिया, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नोज, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी व आस पास के क्षेत्र।

इन जिलों में लू

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर आजमगढ़, मऊ, बलिया, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नोज, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी व आस पास के क्षेत्र।

24 और 25 अप्रैल को लखनऊ में चलेगी लू

राजधानी में बुधवार को भी लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। झुलसा देने वाली धूप के साथ दिन में पछुआ हवाओं ने आग में घी का काम किया। अधिकतम तापमान में भी बढ़त दर्ज की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि लखनऊ में फिलहाल तीन दिन तक तापमान का बढ़ना जारी रहेगा। 24 व 25 अप्रैल को राजधानी में लू चलने की चेतावनी है। इसके बाद 26 अप्रैल से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहा है। इसके प्रभाव से बादलों की सक्रियता बढ़ने और थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बुधवार को अधिकतम तापमान 0.9 डिग्री की बढ़त के साथ 41.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का न्यूनतम तापमान 0.9 डिग्री की बढ़त के साथ 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

अग्निकांड में जलकर राख हो गया बचपन सपने अब भी जिंदा, मासूम बोली– मैं पढ़ूंगी

लखनऊ,संवाददाता। विकासनगर की उस झुग्गी बस्ती में अब आग की लपटें नहीं हैं, लेकिन हर तरफ बिखरी राख और जले हुए सामान अब भी उस भयावह रात की गवाही दे रहे हैं। हवा में घुली जलेपन की गंध के बीच जब सुबह की धूप उतरती है, तो खंडहर बने आशियानों के बीच खेलते बच्चों की आंखों में डर, दर्द और उम्मीद तीनों एक साथ दिखाई देते हैं।

यही वे बच्चे हैं, जिनके हाथों में कभी किताबें और सपने थे, लेकिन आज वही हाथ राख के ढेर में अपना भविष्य तलाशते नजर आते हैं। सात वर्षीय राधा और नौ साल की कालिंदी अपनी मां सुमित्रा देवी के साथ जले हुए घर के सामने बैठकर पढ़ाई करने की कोशिश कर रही थीं। उनकी पुरानी किताबें और कॉपियां आग में

जल चुकी हैं, लेकिन किसी अनजान मददगार ने उन्हें नई कॉपियां और बैग दे दिए। राधा मासूमियत से अपनी कॉपी दिखाते हुए कहती है कि ये मेरी नई हिंदी की कॉपी है... मैं पढ़ूंगी... उसकी आवाज में दर्द से ज्यादा दृढ़ता झलकती है। पास बैठी मां सुमित्रा देवी की आंखें भर आती हैं। वह कहती हैं, घर तो फिर बन जाएगा, लेकिन पढ़ाई छूट गई तो सब खत्म हो जाएगा। पांच साल पहले पति की मौत के बाद से वह घरों में काम कर किसी तरह बच्चों की पढ़ाई का खर्च उठा रही हैं। कुछ दूरी पर नौ साल की परी अपनी सहेली सात साल की शगुन के साथ खड़ी है। वह बिना पूछे ही धीमे स्वर में कहती है, मेरा गुड़िया वाला डिब्बा भी जल गया... और फिर चुप हो जाती है। शायद उसे अब भी यकीन नहीं हो रहा कि उसका बचपन यूं राख में बदल गया। बस्ती में कई बच्चे हैं, जो अब खेलते नहीं, बल्कि चुपचाप अपने माता–पिता को देखते रहते हैं। माता–पिता बांस और तिरपाल के सहारे फिर से छत खड़ी करने में जुटे हैं, जबकि कुछ कुछ बच्चे भी उनके साथ हाथ बंटा रहे हैं। हालात ने उन्हें वक्त से पहले बड़ा बना दिया है।

मेधा शंकर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म जिन्नी वेड्स सनी 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं. इस फिल्म में दिल्ली की एक चुलबुली लड़की और एक छोटे शहर के शर्मीले लड़के की कहानी को दिखाया गया है.फिल्म में अरेंज मैरिज की मुश्किलों पर फोकस किया गया है. अब हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान ऐसे लोगों के बारे में बात की जो अलग–अलग पर्सनैलिटी के होने के बाद भी एक–दूसरे की तरफ आकर्षित हो जाते हैं.

शादी को लेकर मेधा शंकर ने कही ये बात

को दिए इंटरव्यू में मेधा ने कहा,'हां, मैं ऐसा मानती हूं.अगर दो लोगों की पर्सनैलिटी अलग–अलग हो, तो उनमें अट्रैक्शन हो सकता है. लेकिन, उनके वैल्यूज सेम होने चाहिए.'मालूम हो मेधा की फिल्म 12वीं फेल जब हिट हुई थी, तब लोगों ने उन्हें नेशनल क्रश का टैग दे दिया था.लेकिन, नेशनल क्रश बनने के बाद भी एक्ट्रेस को एक भी प्रपोजल नहीं मिला.

मेधा ने इंटरव्यू में बताया कि 12वीं फेल से पहले उनके रिश्तेदार अक्सर रिश्ता लेकर आया करते थे. वो चाहते थे कि एक्ट्रेस लड़कों से मिलें और अरेंज मैरिज करें. मेधा ने कहा,'पहले वो बार–बार इस बारे में बात करते थे. उन्हें नहीं लगता था कि मैं अपने करियर में सक्सेसफुल हो पाऊंगी.उन्हें लगता था कि एक्टिंग सिर्फ मेरा शौक है और चार साल के बाद मैं घर वापस लौट जाऊंगी.' एक्ट्रेस ने आगे कहा,' 12वीं फेल के बाद मेरी लाइफ में सबकुछ बदल गया.रिश्तेदारों को लगने लगा कि मेरा करियर कहीं न कहीं आगे बढ़ रहा है.इसलिए अब कोई भी मेरे लिए शादी के रिश्ते नहीं लाता.' मेधा ने आगे कहा कि उनका परिवार हमेशा उनके सपोर्ट में रहता है और शादी को लेकर प्रेशर क्रिएट नहीं करता है.मेधा ने कहा,'मेरे पापा ने कभी भी शादी को लेकर मेरे ऊपर दवाब नहीं बनाया. मैं इस मामले में खुद को लकी मानती हूं. हां, वो इतना जरूर कहते हैं कि सही समय पर और सही इंसान से शादी कर लेना. वो समझते हैं कि फिलहाल मेरा काम ज्यादा जरूरी है. अभी शादी में वक्त है, लेकिन आगे चलकर मैं शादी जरूर करूंगी.

तमन्ना से ब्रेकअप के बाद विजय वर्मा की लाइफ में हुई मिस्ट्री वुमन की एंट्री

एंटरटेनमेंट डेस्क। विजय वर्मा की हाल ही में ओटीटी पर 'मटका किंग' रिलीज हुई है जिसे दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है. वहीं विजय वर्मा अपनी इस सीरीज के साथ ही एक और वजह से लाइमलाइट में बने हुए हैं. दरअसल तमन्ना भाटिया के साथ एक्टर हाल ही में डेट नाइट पर एक मिस्ट्री गर्ल संग स्पॉट हुए. अब हर कोई जानने के लिए एक्साइटेड हैं कि आखिर विजय संग दिखीं मिस्ट्री वुमन कौन हैं?

विजय वर्मा की लाइफ में हुई मिस्ट्री गर्ल की एंट्री

बता दें कि विजय तमन्ना भाटिया को डेट कर रहे थे. लेकिन पिछले साल इस जोड़ी का ब्रेकअप हो गया था जिसके बाद दोनों ने साथ में पब्लिकली दिखना बंद कर दिया. विजय ने मीडिया में भी ब्रेकअप के बारे में कुछ नहीं कहा और उनका अफेयर लगभग भुला दिया गया थ. लेकिन अब विजय एक मिस्ट्री वुमन संग खुल्लम खुल्ला घूम रहे हैं. मंगलवार की रात को विजय ने मिस्ट्री वुमन संग डेट नाइट एंजॉय की. रेस्टोरेंट से बाहर निकलते हुए दोनों पैप्स के कैमरों में कैद हो गए और उनकी तस्वीरें और वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. इसी के साथ लोग कयास लगा रहे हैं कि वे एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं.

के–ड्रामा यानी कोरियन ड्रामा का क्रेज दर्शकों के बीच बढ़ता ही जा रहा है. नेटफ्लिक्स और एमएक्स प्लेयर जैसे ओटीटी प्लैटफॉर्म पर कई कोरियन ड्रामा रिलीज होते ही ट्रेंड करने लगते है. इन कहानियों में प्यार, पैशन और तकरार का ऐसा मिश्रण देखने को मिलता है कि हर कोई आखिर तक स्क्रीन से बंधा रहता है. इसी बीच आइए कुछ ऐसे ही कोरियन ड्रामा की लिस्ट पर नजर डालते है, जिसे आपको बिलकुल मिस नहीं करना चाहिए. मिस्टर प्लैंकटन (2024) – ये कहानी एक ऐसे इंसान की है, जिसके पास ज्यादा जिंदगी नहीं बची है. वो अपने आखिरी दिनों में अपनी एक्स वाइफ के साथ अपनी जिंदगी को एंजॉय करने की कोशिश करता है और अपने असली पिता को ढूंढने के लिए निकलता है. इसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते है।

मुम्बई,एजेंसी। बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा हमेशा सुर्खियां में रहती है. वहीं इन दिनों वो अपनी हॉलीवुड सीरीज 'सिटाडेल' को लेकर चर्चा में है. साल 2023 में एक्ट्रेस सीरीज 'सिटाडेल' में नजर आई थीं और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था. वहीं अब तीन साल के लंबे इंतजार के बाद 'सिटाडेल' अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रहा है. नए सीजन का ट्रेलर भी रिलीज हो गया है.

रिलीज हुआ प्रियंका चोपड़ा की 'सिटाडेल 2' का ट्रेलर

हाल ही में मेकर्स ने 'सिटाडेल' के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज किया, जिसमें पहले से कहीं ज्यादा डार्क और खतरनाक मिशन की झलक देखने को मिली. ट्रेलर में प्रियंका एक बार फिर से नदिया सिंह के रोल में अपने एक्शन अवतार में नजर आई.

प्रेग्नेंसी के दौरान रुबीना दिलैक ने तोड़ लिए सारे रिश्ते

'प्रेगनेंसी में अपनों ने दिया धोखा और...', मां बनने के 3 साल बाद रुबीना दिलैक ने बयां किया दर्दत्नइपदम क्पसंपाः टीवी सीरियल 'छोटी बहू' और 'शक्ति अस्तित्व के एहसास की' से घर–घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने हाल ही में अपने पर्सनल रिश्तों के लेकर बात की और चौंकाने वाले खुलासे किए.

टीवी सीरियल 'छोटी बहू' और 'शक्ति अस्तित्व के एहसास की' से घर–घर में मशहूर हुईं एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने हाल ही में अपने पर्सनल रिश्तों के लेकर बात की और चौंकाने वाले खुलासे किए. रुबीना हमेशा से ही अपने विचारों को खुलकर जाहिर करती रही हैं.

रुबीना ने इस बार अपने सो कॉल्ड फ्रेंड्स के बारे में बात की जो दिखावे के लिए उनके साथ थे. रुबीना ने एक्टर अभिनव शुक्ला से शादी की है और उनकी दो प्यारी जुड़वां बेटियां हैं, जीवा और एधा. हाल ही में हुई एक बातचीत में रुबीना ने अपने उन तथाकथित दोस्तों से रिश्ते तोड़ने के अपने एक्सपीरियंस को शेयर किया, जिनसे उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान दूरी बना ली थी.

रुबीना दिलैक ने अपने रिश्ते तोड़ने के फैसले का खुलासा किया।

प्रेगनेंसी में बना ली झूठे दोस्तों से दूरी

रुबीना दिलैक ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें ज्ट एक्ट्रेस जन्नत जुबैर के साथ उनकी एक खुलकर बातचीत दिखाई गई है. इस बातचीत में रुबीना ने उस समय को याद किया जब वह अपनी जुड़वां बेटियों, जीवा और एधा के आने का इंतजार कर रही थी. सितंबर 2023 में रुबीना और अभिनव ने एक जाइंट पोस्ट के जरिए यह घोषणा की थी कि वे अपने पहले बच्चे का इंतजार कर रहे हैं।

2008 से अब तक, कौन रहा सबसे बड़ा रन मशीन

कोहली–गेल नहीं, शीर्ष पर है यह दिग्गज

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल में 18 सीजन में 14 खिलाड़ी ऑरेंज कैप जीत चुके हैं। विराट कोहली के नाम एक सीजन में सबसे ज्यादा 973 रन का रिकॉर्ड है।

वहीं, सबसे ज्यादा बार खिताब जीतने की बाजी में कौन आगे हैं...आइए जानते हैं... आईपीएल में हर सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को ऑरेंज कैप दी जाती है। यह सिर्फ एक पुरस्कार नहीं बल्कि पूरे सीजन में बल्लेबाज की निरंतरता और दबदबे का प्रतीक है। 2008 से शुरू हुए इस टूर्नामेंट में अब तक कई दिग्गज बल्लेबाजों ने इस कैप को अपने नाम किया है। खास बात यह है कि 18 सीजन में 14 अलग–अलग खिलाड़ी ऑरेंज कैप जीत चुके हैं, जो इस प्रतियोगिता की प्रतिस्पर्धा को दिखाता है।

इस खिलाड़ी ने जीती सबसे ज्यादा ऑरेंज कैप

अगर सबसे ज्यादा बार ऑरेंज कैप जीतने की बात करें तो डेविड वॉर्नर सबसे आगे हैं। उन्होंने तीन बार यह खिताब अपने नाम किया है (2015, 2017, 2019)। वहीं क्रिस गेल ने दो बार और विराट कोहली ने भी दो बार ऑरेंज कैप जीती है। कोहली का 2016 सीजन (973 रन) आज भी आईपीएल इतिहास का सबसे बेहतरीन बल्लेबाजी प्रदर्शन माना जाता है।

हाल के सीजन में नए सितारों का दबदबा

पिछले कुछ सीजन में युवा खिलाड़ियों का जलवा देखने को मिला है। ऋतुराज गायकवाड़ (2021), शुभमन गिल (2023) और साई सुदर्शन (2025) जैसे बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन कर ऑरेंज कैप जीती। 2024 में विराट कोहली ने 741 रन बनाकर एक बार फिर अपनी क्लास दिखाई।

नीलामी में करोड़ों में बिके

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरे ये पांच खिलाड़ी

स्पोर्ट्स डेस्क। आईपीएल 2026 का सीजन जारी है और सभी टीमें प्लेऑफ में पहुंचने के लिए जोर लगा रही हैं। मौजूदा सीजन में अधिकतर टीमों ने सात मैच खेल लिए हैं, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जो अब तक उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। आईपीएल 2026 का सफर लगभग आधा तय हो चुका है। कुछ खिलाड़ी इस सीजन अपने दमदार प्रदर्शन के बूते खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। हालांकि, कुछ खिलाड़ी ऐसे भी हैं, जिनके लिए फ्रेंचाइजियों ने करोड़ों रुपये की बोली लगाकर उन्हें टीम में शामिल किया था, लेकिन इनका प्रदर्शन अब तक निराशाजनक ही रहा है। आइए ऐसे ही पांच खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं...

कैमरन ग्रीनः ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर को खरीदने के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

हालांकि, ग्रीन ने इस सीजन खेले अब तक सात मुकाबलों में अपने प्रदर्शन से खासा निराश किया है। ग्रीन के बल्ले से सात पारियों में 27 की औसत और 151 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 162 रन निकले हैं। यह हाल तब है जब उन्हें ज्यादातर बल्लेबाजी करने का मौका शीर्ष क्रम में मिला है। शुरुआती चार मुकाबलों में ग्रीन पीठ की समस्या के कारण गेंदबाजी नहीं कर सके थे, जबकि आखिरी तीन मुकाबलों में गेंदबाजी करते हुए उन्होंने महज एक विकेट निकाला है और उनका इकोनॉमी 14.16 का रहा है।

लियाम लिविंगस्टनः इंग्लैंड के बल्लेबाज लियाम लिविंगस्टन को सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। लिविंगस्टन से उम्मीद थी कि वह अपनी तूफानी बल्लेबाजी से अकेले दम पर मुकाबलों का रुख पलटेंगे। हालांकि, इंग्लिश बल्लेबाज फिलहाल इस सीजन बुरी तरह से संघर्ष करता नजर आया है। उन्हें दो मुकाबलों में बल्लेबाजी करने का मौका मिला है, जिसमें उन्होंने सिर्फ 15 रन बनाए हैं।

कार्तिक शर्माः चेन्नई सुपर किंग्स ने विकेटकीपर–बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के लिए नीलामी पर कई फ्रेंचाइजियों से जंग लड़ने के बाद उन्हें 14.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। हर किसी की नजरें कार्तिक की बल्लेबाजी पर थीं, लेकिन आईपीएल 2026 में वह अब तक बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके हैं। कार्तिक ने तीन मुकाबलों में 119 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए महज 25 रन ही बनाए हैं।

फिन एलेनः कोलकाता नाइट राइडर्स ने फिन एलेन को दो करोड़ रुपये खर्च करते हुए टीम में शामिल किया था। एलेन ने टी20 विश्व कप 2026 में सिर्फ 33 गेंदों में शतक लगाया था। यही वजह थी कि आईपीएल 2026 में उनकी तूफानी बल्लेबाजी देखने को हर कोई बेकरार था।

हालांकि, न्यूजीलैंड का यह बल्लेबाज अब तक उम्मीदों पर अब तक खरा नहीं उतर सका है। एलेन ने पांच पारियों में 16.20 की औसत से महज 81 रन ही बनाए हैं।

सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेलने के बावजूद एलेन अब तक बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। ग्लेन फिलिप्सः न्यूजीलैंड के बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को गुजरात टाइटंस ने दो करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, फिलिप्स अपने प्रदर्शन से उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके हैं। उन्होंने छह मुकाबलों में 16.75 की औसत और 124 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 67 रन बनाए हैं। तूफानी बल्लेबाजी के लिए मशहूर फिलिप्स का स्ट्राइक रेट टूर्नामेंट में सिर्फ 124.07 का रहा है। फीलिडंग में लेकिन उनका दम दिख रहा है।

चिन्नास्वामी में गरजा सुदर्शन का बल्ला, शतक के साथ रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। आरसीबी के खिलाफ गुजरात के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने शानदार शतक जड़ा। इस दौरान उन्होंने क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ शुक्रवार को गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने धमाकेदार प्रदर्शन किया और शतक जड़ा। इस मैच में सुदर्शन ने क्रिस गेल के एक रिकॉर्ड को तोड़कर इतिहास रच दिया।

क्रिस गेल के रिकॉर्ड को तोड़ा

साई सुदर्शन आईपीएल में सबसे तेज दो हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। सुदर्शन ने

आईपीएल में अपने दो हजार रन सिर्फ 47वीं पारी में पूरे किए हैं। उन्होंने क्रिस गेल के बड़े रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। गेल ने यह मुकाम 48वीं पारी में हासिल किया था। गुजरात टाइटंस की तरफ से सुदर्शन आईपीएल में दो हजार रन बनाने वाले शुभमन गिल के बाद महज दूसरे बल्लेबाज भी हैं।

सुदर्शन का धमाका

टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस की टीम को साई सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल ने जबरदस्त शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए मिलकर 76 गेंदों में 128 रनों की साझेदारी निभाई। गिल 24 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, सुदर्शन बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 57 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। सुदर्शन ने 58 गेंदों का सामना करते हुए 100 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 11 चौके और पांच छक्के लगाए।

सुदर्शन और गिल की शानदार साझेदारी

सुदर्शन और गिल ने आईपीएल में पहले विकेट के लिए पांचवीं बार शतकीय साझेदारी निभाई। इस लीग में सुदर्शन–गिल से ज्यादा पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी करने के मामले में सिर्फ शिखर धवन और डेविड वॉर्नर की जोड़ी आगे हैं। धवन–वॉर्नर ने आईपीएल में पहले विकेट के लिए छह बार शतकीय साझेदारी जमाई है।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

प्राची गायकवाड़ ने गोल्ड पर लगाया निशाना

स्पोर्ट्स डेस्क। प्राची गायकवाड़ ने गुरुवार को आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। प्राची गायकवाड़ ने मिस्र के काहिरा में चल रहे इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन में जूनियर महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने फाइनल में 354.6 का स्कोर किया और व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) डारिया चुप्रीस को हराया, जिन्होंने 354.4 का स्कोर किया।

एक और एआईएन शूटर, एलेना क्रेटिनिना ने 343.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता, और 35–शॉट के फाइनल से 34वें शॉट के बाद बाहर हो गईं। नारायण प्रणव ने भी जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में फाइनल में 229.5 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया।

मंगलवार (21 अप्रैल) को प्रतियोगिता के पहले दिन शिवा नरवाल ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में जीत हासिल की थी; उसके बाद यह भारत का दूसरा गोल्ड है। दो गोल्ड, चार सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज मेडल के साथ भारत एक बार फिर मेडल टैली में टॉप पर पहुंच गया है। प्राची ओलंपिक इंटरनेशनल सिटी शूटिंग रेंज में जूनियर महिलाओं के 3पी

फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली अकेली भारतीय थीं। उन्होंने 578 के स्कोर के साथ छठा स्थान हासिल किया और फिर फाइनल की शुरुआत नीलिंग पोजीशन में पहले 10 शॉट के बाद पांचवें स्थान पर रहीं।

इसके बाद, वह प्रोन राउंड के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गईं और उस समय आगे चल रही डारिया से सिर्फ 0.6 पीछे थीं। फाइनल स्टैंडिंग पोजीशन के पहले पांच शॉट में 50+ रिटर्न के साथ, वह मैच में पहली बार आगे निकलने में सफल रहीं। हालांकि, दरिया ने वापसी की और अगले पांच शॉट में 51.0 का स्कोर किया, जबकि प्राची चार बार 10–रिंग से चूक गईं, और आखिरी पांच शॉट बाकी रहते हुए कुछ देर के लिए तीसरे स्थान पर आ गईं।

इस छोटी सी हार ने भारतीय खिलाड़ी का हौसला नहीं तोड़ा और उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण समय पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने 10–रिंग में चार बार निशाना लगाया, जिसमें दो हाई 10 भी शामिल थे, और दरिया से 0.2 के अंतर से जीत हासिल की। जूनियर पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल में तीन भारतीयों ने कट बनाया, जिसमें नारायण का प्रदर्शन सबसे शानदार रहा और वह 630.9 स्कोर के साथ तीसरे नंबर पर रहे। अभिनव शॉ 630.0 के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि दिव्यांशु देवांगन ने 626.8 के स्कोर के साथ सातवां क्वालिफाइंग स्थान हासिल किया।

फाइनल में दिव्यांशु 24–शॉट के फाइनल में 12 शॉट के बाद 122.4 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहकर बाहर होने वाले पहले खिलाड़ी रहे। उस समय अभिनव और नरेन तीसरे स्थान के लिए मुकाबला कर रहे थे, जबकि उज्बेक जावोहिर सोखिबोव पहले और साइप्रस के अकिलियास सोफोक्लियस दूसरे स्थान पर थे।